



Jagrat

05 Jun 1996

02:32 PM

Jaipur

Model: web-freekundliweb

Order No: 120953211

लिंग _____: पुल्लिंग
जन्म तिथि _____: 05/06/1996
दिन _____: बुधवार
जन्म समय _____: 14:32:00 घंटे
इष्ट _____: 22:28:34 घटी
स्थान _____: Jaipur
राज्य _____: Rajasthan
देश _____: India

अक्षांश _____: 26:53:00 उत्तर
रेखांश _____: 75:50:00 पूर्व
मध्य रेखांश _____: 82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार _____: -00:26:40 घंटे
ग्रीष्म संस्कार _____: 00:00:00 घंटे
स्थानिक समय _____: 14:05:20 घंटे
वेलान्तर _____: 00:01:31 घंटे
साम्पातिक काल _____: 07:01:36 घंटे
सूर्योदय _____: 05:32:34 घंटे
सूर्यास्त _____: 19:17:58 घंटे
दिनमान _____: 13:45:24 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन) _____: उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल) _____: उत्तर
ऋतु _____: ग्रीष्म
सूर्य के अंश _____: 21:16:16 वृष
लग्न के अंश _____: 20:02:17 कन्या

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति _____: कन्या - बुध
राशि-स्वामी _____: मकर - शनि
नक्षत्र-चरण _____: श्रवण - 1
नक्षत्र स्वामी _____: चन्द्र
योग _____: ब्रह्म
करण _____: कौलव
गण _____: देव
योनि _____: वानर
नाड़ी _____: अन्त्य
वर्ण _____: वैश्य
वश्य _____: जलचर
वर्ग _____: मार्जार
युँजा _____: अन्त्य
हंसक _____: भूमि
जन्म नामाक्षर _____: खी-खिलावन
पाया(राशि-नक्षत्र) _____: रजत - ताम्र
सूर्य राशि(पाश्चात्य) _____: मिथुन

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			कन्या	20:02:17	320:58:49	हस्त	4	13	बुध	चंद्र	केतु	---
सूर्य			वृष	21:16:16	00:57:25	रोहिणी	4	4	शुक्र	चंद्र	शुक्र	शत्रु राशि
चंद्र			मक	10:10:10	14:44:30	श्रवण	1	22	शनि	चंद्र	चंद्र	सम राशि
मंगल			वृष	01:05:35	00:43:21	कृतिका	2	3	शुक्र	सूर्य	राहु	सम राशि
बुध			मेष	28:40:04	00:37:25	कृतिका	1	3	मंगल	सूर्य	मंगल	सम राशि
गुरु	व		धनु	22:25:41	00:05:30	पूर्वाषाढा	3	20	गुरु	शुक्र	शनि	स्वराशि
शुक्र	व		वृष	29:34:31	00:34:25	मृगशिरा	2	5	शुक्र	मंगल	शनि	स्वराशि
शनि			मीन	12:08:59	00:04:07	उ०भाद्रपद	3	26	गुरु	शनि	मंगल	सम राशि
राहु	व		कन्या	20:27:13	00:03:11	हस्त	4	13	बुध	चंद्र	शुक्र	मूलत्रिकोण
केतु	व		मीन	20:27:13	00:03:11	रेवती	2	27	गुरु	बुध	शुक्र	मूलत्रिकोण
हर्ष	व		मक	10:34:39	00:01:17	श्रवण	1	22	शनि	चंद्र	चंद्र	---
नेप	व		मक	03:42:02	00:01:05	उत्तराषाढा	3	21	शनि	सूर्य	शनि	---
प्लूटो	व		वृश्चि	07:39:45	00:01:36	अनुराधा	2	17	मंगल	शनि	केतु	---
दशम भाव			मिथु	20:28:56	--	पुनर्वसु	--	7	बुध	गुरु	गुरु	--

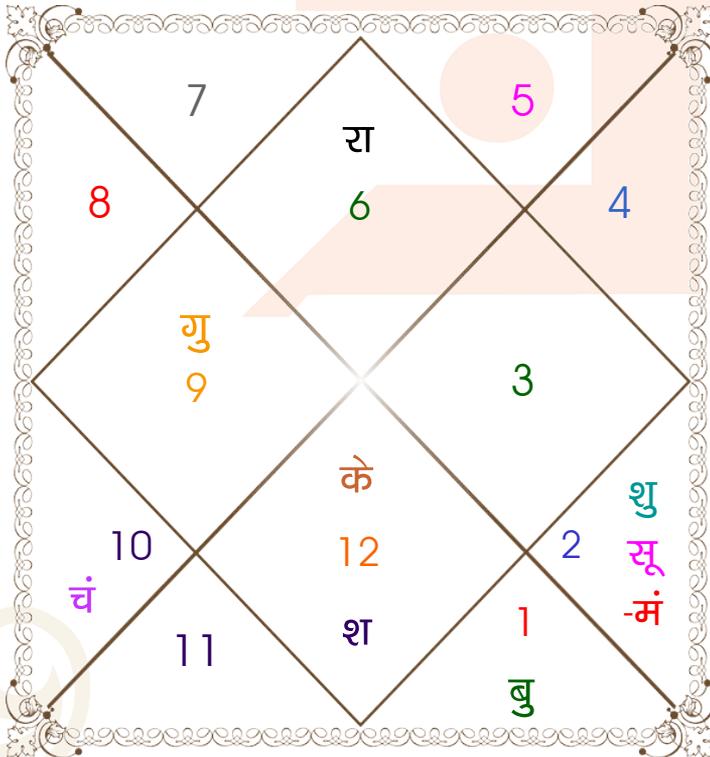
व - वकी स - स्थिर

अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त

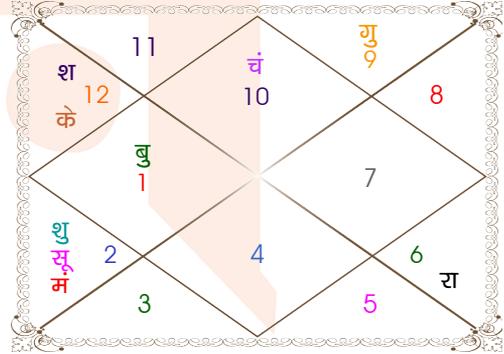
राहु : माध्य

के.पी. अयनांश : 23:42:12

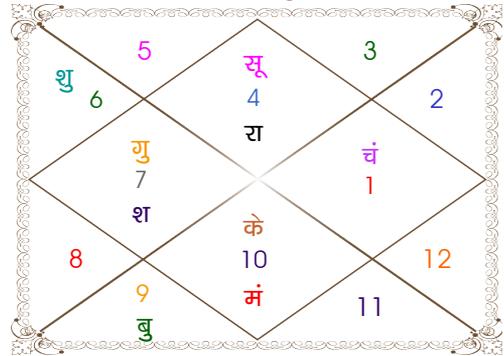
लग्न-चलित



चंद्र कुंडली



नवमांश कुंडली



विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : चन्द्र 9 वर्ष 10 मास 14 दिन

चंद्र 10 वर्ष	मंगल 7 वर्ष	राहु 18 वर्ष	गुरु 16 वर्ष	शनि 19 वर्ष
05/06/1996	20/04/2006	20/04/2013	20/04/2031	20/04/2047
20/04/2006	20/04/2013	20/04/2031	20/04/2047	20/04/2066
चंद्र 18/02/1997	मंगल 16/09/2006	राहु 01/01/2016	गुरु 08/06/2033	शनि 23/04/2050
मंगल 19/09/1997	राहु 05/10/2007	गुरु 27/05/2018	शनि 20/12/2035	बुध 31/12/2052
राहु 21/03/1999	गुरु 10/09/2008	शनि 02/04/2021	बुध 27/03/2038	केतु 09/02/2054
गुरु 20/07/2000	शनि 20/10/2009	बुध 20/10/2023	केतु 03/03/2039	शुक्र 11/04/2057
शनि 18/02/2002	बुध 17/10/2010	केतु 07/11/2024	शुक्र 01/11/2041	सूर्य 24/03/2058
बुध 21/07/2003	केतु 15/03/2011	शुक्र 07/11/2027	सूर्य 20/08/2042	चंद्र 23/10/2059
केतु 19/02/2004	शुक्र 14/05/2012	सूर्य 01/10/2028	चंद्र 20/12/2043	मंगल 01/12/2060
शुक्र 20/10/2005	सूर्य 19/09/2012	चंद्र 02/04/2030	मंगल 25/11/2044	राहु 08/10/2063
सूर्य 20/04/2006	चंद्र 20/04/2013	मंगल 20/04/2031	राहु 20/04/2047	गुरु 20/04/2066

बुध 17 वर्ष	केतु 7 वर्ष	शुक्र 20 वर्ष	सूर्य 6 वर्ष	चंद्र 10 वर्ष
20/04/2066	20/04/2083	20/04/2090	21/04/2110	21/04/2116
20/04/2083	20/04/2090	21/04/2110	21/04/2116	00/00/0000
बुध 16/09/2068	केतु 17/09/2083	शुक्र 20/08/2093	सूर्य 09/08/2110	चंद्र 06/06/2116
केतु 13/09/2069	शुक्र 16/11/2084	सूर्य 20/08/2094	चंद्र 07/02/2111	00/00/0000
शुक्र 14/07/2072	सूर्य 24/03/2085	चंद्र 20/04/2096	मंगल 15/06/2111	00/00/0000
सूर्य 20/05/2073	चंद्र 23/10/2085	मंगल 20/06/2097	राहु 09/05/2112	00/00/0000
चंद्र 20/10/2074	मंगल 21/03/2086	राहु 21/06/2100	गुरु 25/02/2113	00/00/0000
मंगल 17/10/2075	राहु 08/04/2087	गुरु 20/02/2103	शनि 07/02/2114	00/00/0000
राहु 05/05/2078	गुरु 14/03/2088	शनि 21/04/2106	बुध 15/12/2114	00/00/0000
गुरु 10/08/2080	शनि 23/04/2089	बुध 19/02/2109	केतु 21/04/2115	00/00/0000
शनि 20/04/2083	बुध 20/04/2090	केतु 21/04/2110	शुक्र 21/04/2116	00/00/0000

- ❖ उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल चंद्र 9 वर्ष 10 मा 15 दि होता है।
- ❖ उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

ज्योतिषीय आकृति से यह स्पष्ट हो रहा है कि आपका जन्म हस्त नक्षत्र के चतुर्थ चरण में कन्या लग्नोदय काल हुआ था। आपके जन्म समय पर मेदिनीय क्षितिज पर कन्या लग्न के साथ-साथ कर्क राशि का नवमांश एवं वृषभ राशीय द्रेष्काण भी उदित हुआ था। प्रस्तुत समन्वित ज्योतिषीय प्रभाव इस विन्दु की संभावना व्यक्त करता है कि आपका जीवन एक प्रस्तर चक्र के समान शोभनीय है जो सदैव एक परत से दूसरी परत तक परिवर्तित होता रहता है। अर्थात् आप काम को बदल-बदल कर सम्पादन करते रहते हो। आपकी महत्वाकांक्षा है कि आपके नाम बैंक में मोटी रकम जमा रहे। परन्तु आप अपनी महत्वाकांक्षा के प्रति अनिवार्य रूप से चिन्तन करना आवश्यक नहीं समझते हैं। लेकिन आप अपनी पहुँच के बारे में अच्छी प्रकार अध्ययन नहीं कर पाते कि आखिर आपकी पहुँच कहाँ तक है।

आपकी ऐसी आदत है कि आप अपने स्तर पर अनिवार्य अधूरे कार्य को त्याग कर नये कार्य प्रभार को ग्रहण कर लेते हो। यह साहसिक कार्य आपके लिए सदैव लाभदायक नहीं रहता है। क्योंकि आप वैधानिक रूप से यह निर्णय नहीं कर पाते हैं।

परन्तु प्रायः आप अस्वाभाविक रूप से बुद्धि को प्रेरित कर अपनी कार्य योजना का विकल्प की तलाश करने लगते हैं। यदि आप विशेषता पूर्वक निर्णय लेकर पूर्ण रूपेण सक्रिय हो जाएं तो आप पूर्ण लाभ प्राप्त करेंगे।

आपकी दूसरी समस्या यह है कि आप अपने विचारों को अत्यन्त संकट ग्रस्त मोड़ दे देते हों। इस कारण ऐसा घटित हो सकता है कि आपके मित्र अथवा व्यवसायिक सहयोगी निरन्तर आपकी कमजोरी के सम्बन्ध में सदैव आलोचना करें। इस प्रकार वे लोग आपको पूर्ण रूपेण तिरस्कृत कर दें। परिणाम स्वरूप वे लोग इस सम्बंध में प्रयास करके आपके विरुद्ध न्यायालय में आपकी त्रुटि को उजागर करें। अतः आपको धैर्य पूर्वक अपनी उस आपतजनक गुराने की आदतों को सदा के लिए त्याग देना चाहिए। आपको नाना प्रकार की घरेलू विषयक दुर्बलता का भी त्याग कर देना चाहिए। अन्यथा वातावरण दुषित हो जायगा। वास्तव में आपको अत्यन्त ही आरामदायक भवन तथा गृहणी चाहिए जो हर हालत में प्रेम सम्बंध प्रदान करते हुए आपका समर्थन एवं सहयोग करे।

आप विपरीत योनि के प्रति आकर्षित तथा सम्बंधित व्यग्रता या घबराहट उत्पन्न करने वाली रोग प्रणाली के प्रति सतर्कता बरते। ये दोनों रोग उच्चस्तरीय स्पन्दित है। यदि आप पूर्व सतर्कता नहीं बरत सके तो आप इन रोगों से ग्रसित एवं प्रभावित हो जाएंगे। आप को वृद्धावस्था की प्राप्ति होगी। आप को भोजन के अतिरिक्त शाक-सब्जी का भोज्य करने के उपरान्त सम्बंधित रोगों के भार से मुक्त हो जाएंगे।

आपके लिए साप्ताहिक वारों में भाग्यशाली दिन बुधवार तथा शुक्रवार है। परन्तु आपको रविवार, गुरुवार, मंगलवार एवं सोमवार के दिनों का परित्याग करना चाहिए क्योंकि ये वारों दिन आपके लिए अनुकूल नहीं है। शनिवार आप के लिए मध्य फलदायक है।

आपके लिए रंगों में अनुकूल रंग सूआपंखी, पीला, हरा एवं सफेद रंग भाग्यशाली एवं प्रभावक हैं। कृपया काला रंग लाल एवं नीला रंगों का त्याग करें।

आपके लिए अनुकूल संभावित एवं स्पष्ट अंक 2, 3, 5, 6 एवं 7 अंक है। इन तारीखों को महत्वपूर्ण समझें। अंक 1 एवं 8 अंक आपके लिए सर्वथा त्याज्य है।

